प्रसाद परियोजनाएँ

प्रलिम्सि के लयि:

PRASHAD योजना, स्वदेश दर्शन योजना, कॉर्पोरेट सामाजकि उत्तरदायत्वि (CSR), सार्वजनकि-नजी भागीदारी (PPP)

मेन्स के लयि:

सतत् पर्यटन, पर्यटन को बढ़ावा देने के लयि योजनाएँ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय ने **PRASHAD योजना** के तहत **"गोवर्धन का वकिास, मथुरा"** परियोजना के वभिन्नि घटकों का उद्घाटन कयिा।

- सरकार ने **स्वदेश दर्शन योजना** के तहत **रामायण और बुद्ध सर्कटि** जैसे वभिन्नि आध्यात्मकि सर्कटिों के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य के भीतर पर्यटन के बुनयिादी ढाँचे को मज़बूत करने के लयि धन आवंटति कयिा।

प्रमुख बदिु

- **'प्रसाद' (PRASHAD) योजना:**
  - पर्यटन मंत्रालय द्वारा **वर्ष 2014-15** में चहि्नति तीर्थ स्थलों के समग्र वकिास के उद्देश्य से **'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मकि संवर्द्धन पर राष्ट्रीय मशिन'** शुरू कयिा गया था।
  - अक्तूबर 2017 में योजना का नाम बदलकर **'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मकि वरिासत संवर्द्धन अभयिान' (यानी 'प्रसाद')** राष्ट्रीय मशिन कर दयिा गया।
    - आवास एवं शहरी वकिास मंत्रालय की हृदय **(HRIDAY)** योजना के बंद होने के बाद वरिासत स्थलों के वकिास को **प्रसाद PRASHAD योजना में शामलि** कयिा गया।
  - प्रसाद योजना के तहत वकिास के लयि कई धार्मकि शहरों/स्थलों की पहचान की गई है जैसे **अमरावती और श्रीशैलम (आंध्र प्रदेश), कामाख्या (असम), परशुराम कुंड (लोहति ज़लिा, अरुणाचल प्रदेश), पटना और गया (बहिार)** आदि।
  - **कार्यान्वयन एजेंसी:** इस योजना के तहत चहि्नति परियोजनाओं को संबंधति राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकार द्वारा चहि्नति एजेंसयिों के माध्यम से क्रयिान्वति कयिा जाएगा।
  - **वत्तिपोषण तंत्र:** केंद्र सरकार सार्वजनकि वत्तिपोषण के लयि शुरू कयि गए परियोजना घटकों हेतु 100% वत्तिपोषण प्रदान करती है।
    - इस योजना के तहत परियोजनाओं की बेहतर स्थरिता के लयि **कॉर्पोरेट सामाजकि उत्तरदायत्वि (CSR)** और **सार्वजनकि-नजी भागीदारी (PPP)** के लयि उपलब्ध स्वैच्छकि वत्तिपोषण का लाभ उठाने का प्रयास कयिा जाता है।
    - यह योजना इस योजना के तहत परियोजनाओं की बेहतर स्थरिता के लयि कॉर्पोरेट सामाजकि उत्तरदायत्वि (सीएसआर) और सार्वजनकि-नजी भागीदारी (पीपीपी) के लयि उपलब्ध स्वैच्छकि वत्ति पोषण का लाभ उठाने का प्रयास कयिा जाता है।
    - प्रसाद योजना के उद्देश्य इस प्रकार हैं:
      - इसके गुणात्मक रोज़गार सृजन और आर्थकि वकिास पर प्रत्यक्ष प्रभाव के लयि तीर्थ यात्रा पर्यटन का उपयोग करना।
    - तीर्थ स्थलों के वकिास में गरीब समर्थक पर्यटन अवधारणा और समुदाय आधारति वकिास का पालन करना।
    - सार्वजनकि वशिेषज्ञता और पूंजी का लाभ उठाना।
    - धार्मकि स्थलों में वशि्व स्तरीय बुनयिादी ढाँचे को वकिसति करके पर्यटकों के आकर्षण को स्थायी रूप से बढ़ाना।
    - बेहतर जीवन स्तर हेतु आय के स्रोतों में वृद्धि और क्षेत्र के समग्र वकिास के संदर्भ में स्थानीय समुदायों में पर्यटन के महत्त्व के बारे में जागरूकता को बढ़ाना।
    - पहचान कयि गए स्थानों में आजीवकिा उत्पन्न करने हेतु स्थानीय संस्कृति, कला, व्यंजन, हस्तशलि्प आदि को बढ़ावा देना।
- **स्वदेश दर्शन योजना:**
  - स्वदेश दर्शन, एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है जसिे वर्ष 2014-15 में देश में थीम-आधारति पर्यटक सर्कटि के एकीकृत वकिास के लयि शुरू कयिा गया था।

- इस योजना के तहत पंद्रह विषयगत सर्किटों की पहचान की गई है- बौद्ध सर्किट, तटीय सर्किट, डेज़र्ट सर्किट, इको सर्किट, हेरिटेज सर्किट, हिमालयन सर्किट, कृष्णा सर्किट, नॉर्थ ईस्ट सर्किट, रामायण सर्किट, ग्रामीण सर्किट, आध्यात्मिक सर्किट, सूफी सर्किट, तीर्थंकर सर्किट, जनजातीय सर्किट, वन्यजीव सर्किट।

- इस योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय सर्किट के बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये राज्य सरकारों / केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है।
- इस योजना की परिकल्पना अन्य योजनाओं जैसे- **स्वच्छ भारत अभियान, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया** आदि के साथ तालमेल बिठाने के लिये की गई है, जिसमें पर्यटन क्षेत्र को रोज़गार सृजन हेतु एक प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करने, आर्थिक विकास के लिये प्रेरणा शक्ति, विभिन्न क्षेत्रों के साथ तालमेल बनाने पर विचार करना है। साथ ही पर्यटन को अपनी क्षमता का एहसास कराने में सक्षम बनाना है।

पर्यटन से संबंधित अन्य सरकारी योजनाएँ:

- एडॉप्ट ए हेरिटेज
- प्रतिष्ठित पर्यटक स्थलों का विकास
- देखो अपना देश

स्रोत- पी.आई.बी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prashad-projects